कर्नाटक सरकार

सार्वजनिक शिक्षा विभाग

सुमन

क्रियाकलाप युक्त अभ्यास पुस्तिका

(तृतीय भाषा हिंदी)

भाग-2

10

दसवीं कक्षा

2020-21

राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संस्था

100 फुट रिंग रोड,बनशंकरी, बेंगलूरु

ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत साहित्यकार

1965 (प्रथम)– जी शंकर कुरु (मलयालम)

1966 (द्वितीय)– ताराशंकर बंधोपाध्याय (बांग्ला)

1967 (तृतीय)– (1) के.वी. पुत्तपा (कन्नड़) एवं (2) उमाशंकर जोशी (गुजराती)

1968 (चतुर्थ)– सुमित्रानंदन पंत (हिन्दी)

1969 (5वाँ)– फ़िराक गोरखपुरी (उर्दू)

1970 (6वाँ)– विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगु)

1971 (7वाँ)– विष्णु डे (बांग्ला)

1972 (8वाँ)– रामधारी सिंह दिनकर (हिन्दी)

1973 (9वाँ)– (1) दत्तात्रेय रामचंद्र बेन्द्रे (कन्नड़) एवं (2) गोपीनाथ महान्त (ओड़िया)

1974 (10वाँ)– विष्णु सखा खांडेकर (मराठी)

1975 (11वाँ)– पी.वी. अकिलानंदम (तमिल)

1976 (12वाँ)– आशापूर्णा देवी (बांग्ला)

1977 (13वाँ)– के. शिवराम कारंत (कन्नड़)

1978 (14वाँ)– एच. एस. अज्ञेय (हिन्दी)

1979 (15वाँ)– बिरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)

1980 (16वाँ)– एस.के. पोट्टेकट (मलयालम)

1981 (17वाँ)– अमृता प्रीतम (पंजाबी)

1982 (18वाँ)– महादेवी वर्मा (हिन्दी)

1983 (19वाँ)– मस्ती वेंकटेश अयंगर (कन्नड़)

1984 (20वाँ)– तक्षी शिवशंकरा पिल्लई (मलयालम)

1985 (21वाँ)– पन्नालाल पटेल (गुजराती)

1986 (22वाँ)– सच्चिदानंद राउतराय (ओड़िया)

ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ

अभ्यास पुस्तिका

(तृतीय भाषा हिंदी)

भाग-2

10

दसवीं कक्षा

2020-21

नाम:----------

विद्यालय का नाम:----------

राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संस्था
100 फुट रिंग रोड,बनशंकरी,बेंगलूरु

ಅಭ್ಯಾಸ ಪುಸ್ತಕ ರಚನಾ ಸಮಿತಿ

ಪರಿಕಲ್ಪನೆ ಮತ್ತು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ:

ಶ್ರೀ ಎಸ್.ಆರ್.ಉಮಾಶಂಕರ್. ಭಾ.ಆ.ಸೇ.
ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು,
ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಮತ್ತು ಪ್ರೌಢಶಿಕ್ಷಣ ಇಲಾಖೆ,
ಬೆಂಗಳೂರು.

ಶ್ರೀ ವಿ.ಅನ್ಬುಕುಮಾರ್ ಭಾ.ಆ.ಸೇ.
ಆಯುಕ್ತರು, ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಶಿಕ್ಷಣ ಇಲಾಖೆ,
ಬೆಂಗಳೂರು.

ಶ್ರೀಮತಿ ಎಂ.ದೀಪಾ ಭಾ.ಆ.ಸೇ.
ರಾಜ್ಯ ಯೋಜನಾ ನಿರ್ದೇಶಕರು,
ಸಮಗ್ರ ಶಿಕ್ಷಣ ಕರ್ನಾಟಕ ,
ಬೆಂಗಳೂರು.

ಸಲಹೆ ಮತ್ತು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ:

ಶ್ರೀ ಎಂ ಆರ್ ಮಾರುತಿ, ನಿರ್ದೇಶಕರು, ಡಿ.ಎಸ್.ಇ.ಆರ್.ಟಿ.ಬೆಂಗಳೂರು.

ಶ್ರೀಮತಿ ಟಿ. ಎನ್. ಗಾಯಿತ್ರಿದೇವಿ, ಸಹನಿರ್ದೇಶಕರು, ಡಿ.ಎಸ್.ಇ.ಆರ್.ಟಿ.ಬೆಂಗಳೂರು.

ಶ್ರೀ ಮಹದೇವಪ್ಪ ಕೆ., ಪ್ರಾಂಶುಪಾಲರು, ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ ಸಂಸ್ಥೆ, ಮೈಸೂರು.

ಶ್ರೀ ವೇದಮೂರ್ತಿ ಸಿ., ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಸಂಯೋಜಕರು ಹಾಗೂ ಹಿ.ಸ.ನಿ. ಡಿ.ಎಸ್.ಇ.ಆರ್.ಟಿ. ಬೆಂಗಳೂರು.

ಶ್ರೀ ಚಂದ್ರಕಾಂತ್ ಎಂ., ಹಿರಿಯ ಉಪನ್ಯಾಸಕರು, ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ ಸಂಸ್ಥೆ, ಮೈಸೂರು.

ಸಂಪನ್ಮೂಲ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು:

ಡಾ.ಎಸ್.ವಿಜಿ, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಒಂಟಿಕೊಪ್ಪಲು, ಉತ್ತರವಲಯ,ಮೈಸೂರು.

ಶ್ರೀ ನವೀದ್ ಎಂ. ಕೆ, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಬಾಚೇಗೌಡನಹಳ್ಳಿ, ಎಚ್.ಡಿ.ಕೋಟೆ.ತಾ. ಮೈಸೂರು. ಜಿಲ್ಲೆ.

ಶ್ರೀಮತಿ ದೇವಕಿಬಾಯಿ, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕಿ, ಮರಿಮಲ್ಲಪ್ಪ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ ಮೈಸೂರು(ದ)

ಶ್ರೀ ಮಹೇಶ .ಕೆ.ಎಂ, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ರೈಲ್ವೆಕಾರ್ಯಾಗಾರ ಕಾಲೋನಿ, ಮೈಸೂರು (ದ).

ಡಾ. ಸುಮಂಗಳ ಆರ್. ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕಿ, ಜೆ.ಎಸ್.ಎಸ್. ಶಿಶುನಾಳ ಷರೀಫ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಉದಯಗಿರಿ, ಮೈಸೂರು(ಉ).

ಶ್ರೀ ಸುನಿಲ್ ಕುಮಾರ್, ಆರ್.ವಿ. ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ನವಿಲೂರು, ನಂಜನಗೂಡು ತಾ.ಮೈಸೂರು ಜಿ.

ಶ್ರೀ ಜ್ಯೋತಿಕುಮಾರ.ಕೆ.ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು,ಭಾರತಿವಿದ್ಯಾಮಂದಿರ ಅನುದಾನಿತ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಕೆ.ಆರ್.ನಗರ,ಮೈಸೂರು ಜಿ.

ಶ್ರೀಮತಿ ಗಿರಿಜಾಂಬ, ಎಸ್.ಸಿ,ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕಿ, ಜೆ ಎಸ್.ಎಸ್. ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ವಿಜಯನಗರ ಮೈಸೂರು.

ಶ್ರೀ ಶರತ್ ಬಾಬು ಎಚ್.ಎಸ್, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಹಿರೇಹಳ್ಳಿ.ಎ, ಎಚ್.ಡಿ ಕೋಟೆ ತಾ. ಮೈಸೂರು.ಜಿ.

ಶ್ರೀಮತಿ ರೇಖಾ ಎಂ. ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕಿ, ಮರಿಮಲ್ಲಪ್ಪ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಮೈಸೂರು (ದ)

ಶ್ರೀಮತಿ ರಶ್ಮಿ ಬಿ.ಜೆ. ಹಿ.ಶಿ.ಸರ್ಕಾರಿ ಪದವಿ ಪೂರ್ವಕಾಲೇಜು, (ಪ್ರೌ.ಶಾ.ವಿಭಾಗ) ಭೇರ್ಯ,ಕೆ .ಆರ್.ನಗರ ತಾ.ಮೈಸೂರು ಜಿ.

प्राक्कथन

शिक्षा परिवर्तनशील है। अधिगम पद्धति, बिना परीक्षा/पाठ्यपुस्तक के स्व-अधिगम की ओर जा रही है। इस दृष्टि से कक्षा के छात्र-छात्राओं को समुचित अनुभवों को देने के लिए उत्तम अधिगम सामग्रियों की आवश्यकता है।

इसे ध्यान में रखकर शैक्षिक साल-2017-18 में चौथी कक्षा से नौवीं कक्षाओं तक कन्नड और गणित विषयों में तथा पाँचवीं कक्षा से नौवीं कक्षाओं के लिए अंग्रेजी भाषा विषय में अभ्यास पुस्तिकाओं की रचना की गयी है। अभ्यास पुस्तिकाओं को छात्र–छात्राओं के लिए दिया गया है। इन्हें लागू करने के बाद कक्षा अध्यापक,अभिभावक और शिक्षाविदों ने उपयुक्त सूचनाएँ और सलाह भी दी हैं।

शैक्षिक साल-2020-21 में नौवीं और दसवीं कक्षाओं के लिए तृतीय भाषा हिंदी विषय में अभ्यास पुस्तिकाओं की रचना की गयी है।

अभ्यास पुस्तिका दो भागों में है। छात्र-छात्राओं को प्रथम संकलनात्मक परीक्षा-अवधि में अभ्यास पुस्तिका का भाग-1 और द्वितीय संकलनात्मक परीक्षा-अवधि में अभ्यास पुस्तिका का भाग-2 को दिया जाता है। इन अभ्यास पुस्तिकाओं में इकाई परीक्षणों के साथ-साथ छात्र–छात्राओं को स्व-मूल्यांकन की सामग्री भी दी गयी है।

इन अभ्यास पुस्तिकाओं में अभ्यास के लिए विविध प्रकार के क्रियाकलापों को दिया गया है। इन अभ्यासों द्वारा प्राप्त ज्ञान को आजीवन अपना सकते हैं। इन अभ्यास पुस्तिकाओं में शिक्षकों के लिए क्रियाकलापों के साथ-साथ सूचनाएँ भी दी गयी हैं। उन सूचनाओं को पढ़कर कक्षा में छात्र-छात्राओं के लिए अध्यापक और अध्यापिका गण अधिगम को सफल बनाने के लिए उचित वातावरण निर्माण करना चाहिए।

इन अभ्यास पुस्तिकाओं में जो क्रियाकलाप दिए गए हैं, वे बच्चों के लिए अति आवश्यक सामर्थ्यों की प्राप्ति के लिए उपयुक्त हैं। इनमें से भाषाई-कौशल अर्थात् सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना तथा अन्य उपयुक्त पुस्तिकाओं से सूचनाएँ संग्रह करना,कौशलों की प्रधानता दी गयी हैं। क्रियाकलापों को देने में कठिन और सरल विषयों की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। इन क्रियाकलापों का अभ्यास, कक्षा में, कक्षा के उपरांत अथवा घर में कर सकते हैं। विषय से संबंधित क्रियाकलापों को छात्र-छात्रा गण को समझाने के लिए सरलता से निर्माण किया गया है।

यहाँ दिये गये क्रियाकलाप ही अंतिम नहीं है। अधिगम से संबंधित परिवेश के अनुसार बच्चों को उचित अवसर देना चाहिए। छात्र-छात्राओं से करनेवाले क्रियाकलापों को देखकर अपने विचार अभिव्यक्ति करने के लिए शिक्षक गण को भी अवसर दिया गया है। इन अभ्यास पुस्तिकाओं के सदुपयोग तथा मूल्यांकन के लिए तकनीकी(APP) की तैयारी की गयी है। शिक्षक गण इस तकनीकी की सहायता से छात्र-छात्राओं की अधिगम-उपलब्धि भरना चाहिए।

इन अभ्यास पुस्तिकाओं के निर्माण में सहयोग दिए हुए अक्षर फॉउंडेशन, प्रथम संस्था, शिक्षण फॉउंडेशन, बयोकॉन संस्थाओं के साथ सर्वशिक्षा अभियान कर्नाटक, पाठ्यपुस्तक संघ तथा रचना समिति के लिए मैं आभार हूँ। मेरा आशय है कि इन अभ्यास पुस्तिकाओं को छात्र-छात्रा गण सदुपयोग करके सच्चे अर्थों में गुणवत्ता शिक्षा को सफल बनायें।

दिनांक

श्री **एस.आर.उमाशंकर**, भा.प्र.से.

महासचिव

प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेंगलूरु

दसवीं कक्षा की तृतीय भाषा हिंदी के अधिगम फल :

दसवीं कक्षा के छात्र-छात्रा गण निम्नलिखित अधिगम फलों को प्राप्त करना है। इन अभ्यास पुस्तिकाओं में निहित क्रियाकलापों को सूचनानुसार अभ्यास करने से इन अधिगम फलों को छात्र-छात्रा गण आसान से प्राप्त कर सकते हैं। छात्र-छात्रा गण इन अधिगम फलों की प्राप्ति में शिक्षकों का सहयोग भी बहुत मुख्य है। जहाँ अध्यापक/शिक्षक की राय है, उनको यहाँ दी गयी तीन श्रेणी अर्थात् उत्तम,साधारण तथा संतृप्ति सूची में भरना है। यह छात्र-छात्रागण प्राप्त अधिगम फलों की उपलब्धि के स्तर की सूचना देती है।

- पाठ्य पुस्तक के विविध प्रकार के गद्य और पद्य साहित्य को पढ़ेंगे और समझेंगे।
- पद्य और गद्य से प्राप्त अनुभवों को (मौखिक और लिखित भाषा में) अभिव्यक्त करेंगे।
- भाषिक विषय अर्थात् वर्णमाला, शब्दरचना, संधि, विकारी शब्द, अविकारी शब्द, शब्द-भेद-आदि को (व्यावहारिक नियमों से) समझेंगे और उनका संदर्भानुसार शुद्ध प्रयोग करेंगे।
- समास और विराम चिह्नों का प्रयोग अपनी भाषा में लागू करेंगे।
- कारक और परसर्गों के सही प्रयोग समझेंगे।
- स्व-अधिगम के लिए शब्दकोश और अन्य उपयुक्त पुस्तकों का उपयोग करेंगे।
- पत्रलेखन और निबंध लेखन संदर्भानुसार करेंगे।
- चित्रलेखन करेंगे।
- हिंदी भाषा के शब्द, वाक्य और अनुच्छेदों को अपनी मातृभाषा/ अंग्रेजी में अनुवाद करेंगे।

छात्र-छात्राओं के लिए सूचनाएँ:-

- अभ्यास-पुस्तिका के एक-पृष्ठ का अभ्यास, एक दिन में करना चाहिए।
- अभ्यास-पुस्तिका के एक पृष्ठ का अभ्यास पूर्ण होने के बाद ही दूसरे पृष्ठ का अभ्यास करना चाहिए।
- कोई क्रियाकलाप न समझने पर सहपाठी / शिक्षकों से सहायता लेनी है।
- आपको अपेक्षित क्रियाकलापों पर ☺ निशान, अंशतः अपेक्षित क्रियाकलापों पर 😐 निशान, अनपेक्षित क्रियाकलापों पर ☹ निशान पर सूचित करना चाहिए।

विषयानुक्रमणिका

अ.क्र	विषय	पृष्ठ.संख्या
1	अभ्यास-1	1
2	अभ्यास -2	3
3	अभ्यास-3	5
4	अभ्यास-4 इकाई परीक्षण-1	9
5	अभ्यास-5	12
6	अभ्यास-6	17
7	अभ्यास-7	19
8	अभ्यास-8 इकाई परीक्षण-2	21
9	अभ्यास-9	24
10	अभ्यास-10	29
11	अभ्यास-11 इकाई परीक्षण-3	36
12	अभ्यास-12	38
13	अभ्यास-13	48
14	अभ्यास-14 इकाई परीक्षण-4	56

अभ्यास-1

संवाद लेखन

अ. चित्रों को देखकर संवाद लिखूँगा/गी :

1.

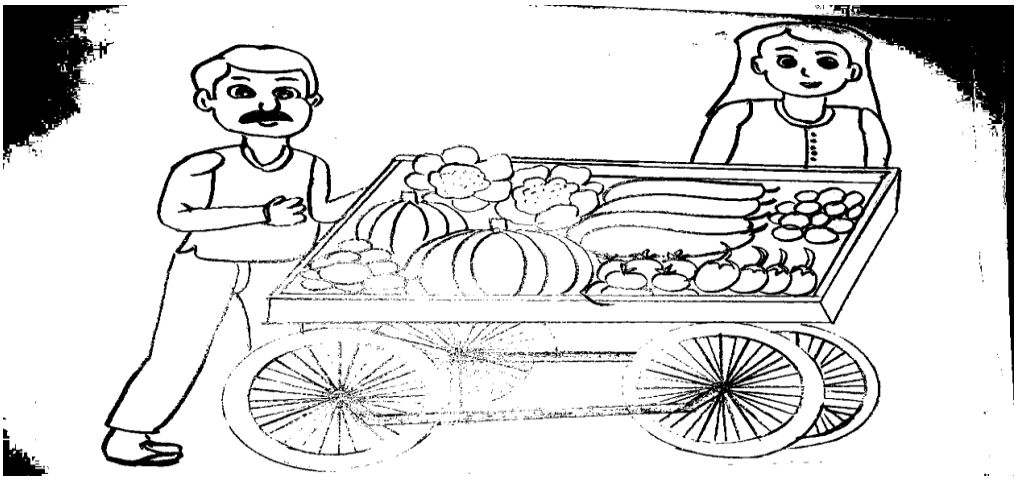

ग्राहक : .....

सब्ज़ीवाला : .....

ग्राहक : .....

सब्ज़ीवाला : .....

ग्राहक : .....

सब्ज़ीवाला : .....

ग्राहक : .....

सब्ज़ीवाला : .....

2.

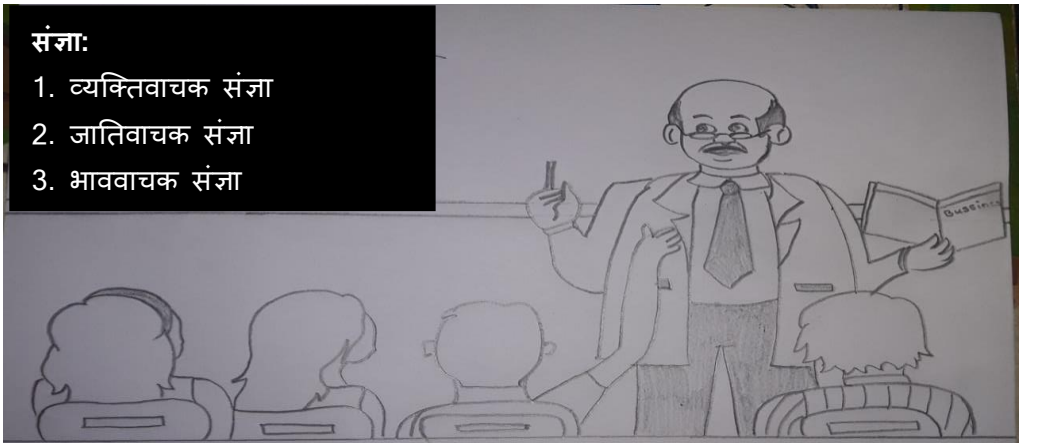

छात्र : .....

शिक्षक : .....

छात्र : .....

शिक्षक : .....

छात्र : .....

शिक्षक : .....

छात्र : .....

शिक्षक : .....

छात्रा : .....

शिक्षक : .....

छात्रा : .....

शिक्षक : .....

अभ्यास-2

अनुक्रम से लिखना

अ. निम्नलिखित वाक्यों को घटनानुक्रम से लिखूँगा/गी :-

❖ डॉक्टर से बचने के लिए निमकौड़ी तक खाने को तैयार हो सकते हैं।

❖ एक सेब भी खाने लायक नहीं थे।

❖ रेवड़ी बेचनेवाले ने प्रसन्नचित्त से अठन्नी लौटा दी और क्षमा माँगी।

❖ कल शाम को चौक में दो-चार ज़रूरी चीज़ें खरीदने गया था।

❖ पाठक बाज़ार में आँखें बंदकर लिया करेंगे तो कश्मीरी सेब ही मिलेंगे।

❖ रात को फल खाने का कायदा नहीं है।

❖ आदमी बेईमानी तभी करता है जब उसे अवसर मिलता है ।

आ.

- ♣ पेड़ों से लकड़ी के इतने मोटे और मज़बूत गोले काट लो,जितने मेरे पैर हैं।
- ♣ दोनों दोस्त जंगल से लौटकर आए और एक जगह मकान बना लिया।
- ♣ पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो,जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं।
- ♣ मोटे गोले ज़मीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।
- ♣ ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो जैसा मैं हूँ।
- ♣ किंद्रू लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे।

अभ्यास-3

भावार्थ

अ. पढ़ूँगा/गी और समझूँगा/गी :-

भावार्थ को सारांश भी कहा जाता है। सारांश को अंग्रेजी में SUBSTANCE कहा जाता है। भावार्थ में पद्य का सार तत्व मात्र रहता है। भावार्थ में सार पदार्थ को ढूँढ़कर लिखना पड़ता है। असार पदार्थ को त्यागना पड़ता है।

भावार्थ लिखने के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में ऱखना पड़ता है:-

1. भावार्थ लिखनेवाले पद्य को दो-तीन बार पढ़ना है।
2. शब्द में छिपे हुए भाव को ढूँढ़कर निकालना है।
3. कम से कम शब्दों में भावार्थ लिखना है। व्याख्या करने का प्रयत्न मत करना है।
4. अपनी भाषा के शब्दों को प्रयोग करना और पद्यांश के शब्दों को त्यागना है।
5. भाषा अत्यंत सरल तथा स्पष्ट होनी है।

नमूना:-

2. मुखिया मुख सों चाहिए, खान-पान को एक।
   पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।

पद्य: तुलसी के दोहे

कवि: गोस्वामी तुलसीदास

भावार्थ: कवि कहता है कि मुखिया मुख के समान रहना चाहिए। मुँह जिस तरह खाना-पानी लेकर सभी अंगों का पालन पोषण करता है। इस तरह मुखिया उसका काम स्वयं करे, उसका लाभ सबको मिलें।

आ. निम्नलिखित पद्यों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखूँगा/गी:-

1. श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत,
   श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत;
   एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
   तोड़ दे जो, बस, वही ज्ञानी, वही विद्वान,
   और मानव भी वही।

2. सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई,जनमत ही को धूत।
'सूर' स्याम मोहिं गोधन की सौं, हौं माता तू पूत।।

3.जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार।।

4. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँड़िये, जब लग घट में प्राण।।

5. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक।।

6. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार।।

विद्यार्थी का स्व-मूल्यांकन

अ.क्र	अधिगम बिंदु	☺	😐	☹
1	चित्र के आधार पर संवाद लिख सकता/ती हूँ।			
2	घटनानुक्रम से वाक्यों को लिख सकता/ती हूँ ।			
3	पद्य का भावार्थ अपने शब्दों में लिख सकता/ती हूँ।			

शिक्षक की राय	उत्तम		साधारण		संतृप्ति	

अभ्यास-4

इकाई परीक्षण-1

अ. निम्नलिखित चित्र देखकर संवाद लिखिए :

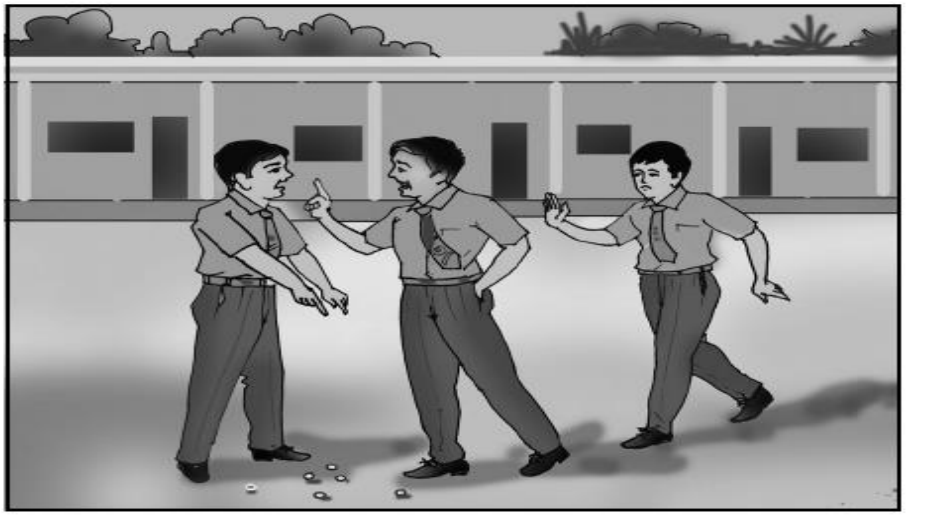

रामू : .....

श्यामू : .....

रामू : .....

श्यामू : .....

रामू : .....

मोहन : .....

श्यामू : .....

रामू : .....

मोहन : .....

आ. निम्नलिखित वाक्यों को घटनानुक्रम से लिखिए :

- रिक्शा बुलवाइए मैं सीधा स्टेशन जाऊँगा।
- आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।
- ईमानदानरों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी लें ,यह बड़ी अशोभनीय बात होगी।
- आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।
- तुम लोग क्या करते हो ? तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं।
- एक चप्पल यहाँ उतारिए, तो दूसरी दस फीट दूर।
- रात को क्या चाँदनी में धूप का चश्मा लगाया जाता है?

इ. निम्नलिखित पद्य का भावार्थ लिखिए :

करना है जो काम, उसी में चित्त लगा दो,
आत्म पर विश्वास करो, संदेह भगा दो।।
ऐसा सुसमय भला और कब तुम पाओगे,
खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे।।

अभ्यास-5

अनुवाद

अ. निम्नलिखित शब्दों का कन्नड और अंग्रेजी में अनुवाद करूँगा/गी :

शब्द	कन्नड	अंग्रेजी
प्रदान		
चंद्र		
खूबसूरत		
अहीर		
तकिया		
लायक		
काजू		
ईमानदार		
सहारा		
विश्वविख्यात		
प्रसन्नता		
बड़ाई		

शोभायमान		
उदीयमान		
प्रगतिशील		
बुद्धिमान		
आदर		
हार्दिक		
मनोहर		
सुषमा		
प्रेरणा		
विनिमय		
कोशिश		
पारंगत		
आपूर्ति		
आगार		
हड़ताल		
कर्मठता		

आ.नीचे दिए गए वाक्यों का अनुवाद कन्नड या अंग्रेजी में लिखूँगा/गी :

1. शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन है।

2. लेखक का स्टेशन पर खूब स्वागत हुआ।

3. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।

4. कर्नाटक राज्य भारत देश का प्रगतिशील राज्य है।

5. प्रतिष्ठित शिव मंदिर के कारण रामेश्वरम् प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।

6. भारत जैसे प्रगतिशील राष्ट्र ई-गवर्नेंस द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

7. मछली ने कहा, आप लोग ज़रा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो।

8. बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।

9. समस्त देशवासियों के प्रति भाई-चारे का भाव रखना नागरिक के कर्तव्य है।

10. रात को पहनने के कपड़े सिरहाने दबाकर सोया ।

इ. नमूने के अनुसार जोड़कर लिखूँगा / गी :

1	**एक सेब भी खाने लायक नहीं था।**	ನಾವು ನಮ್ಮ ರಾಷ್ಟ್ರಗೀತೆಯನ್ನು ಗೌರವಿಸಬೇಕು.	
2	गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।	ಕರ್ನಾಟಕದ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.	
3	कलाम जी का जन्म रामेश्वरम् में हुआ था।	ರೋಬೋನಿಲ್ ಬುದ್ಧಿವಂತ ರೋಬೋಟ್ ಆಗಿತ್ತು.	
4	बसंत ईमानदार लड़का है।	**ಒಂದು ಸೇಬೂ ಕೂಡ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.**	**1**
5	आज का युग इंटरनेट युग है।	ಸತ್ಯ ಒಂದು ವಿಶಾಲ ವೃಕ್ಷವಿದ್ದಂತೆ.	
6	रोबोनिल बुद्धिमान रोबोट था।	ಗೋಡಂಬಿಯು ಅಳಿಲಿನ ಪ್ರಿಯ ಖಾದ್ಯವಾಗಿತ್ತು.	
7	कर्नाटक की राजधानी बेंगलूर है।	ಕಲಾಂರವರು ರಾಮೇಶ್ವರಂನಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು.	
8	शनि महाराज सूर्य का पुत्र है।	ಬಸಂತನು ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ಹುಡುಗನಾಗಿದ್ದಾನೆ.	
9	सत्य एक विशाल वृक्ष है।	ಇಂದಿನ ಯುಗವು ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಯುಗವಾಗಿದೆ.	
10	हमें हमारा राष्ट्रगान का आदर करना चाहिए।	ಶನಿ ಮಹಾರಾಜನು ಸೂರ್ಯನ ಪುತ್ರನಾಗಿದ್ದಾನೆ.	

ई. दिए गए गद्यांश को कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद करूँगा / गी :

1. संसार में जितने महान् व्यक्ति हुए हैं, सबने सत्य का पालन किया है । राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है।

2. इस गाँव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है । गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है। इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही थोड़ी है।

3. कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।

4. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

5. आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं । आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

अभ्यास - 6

चित्रवर्णन

अ. निम्नलिखित चित्रों को देखकर अपने वाक्य लिखूँगा/गी :

1.

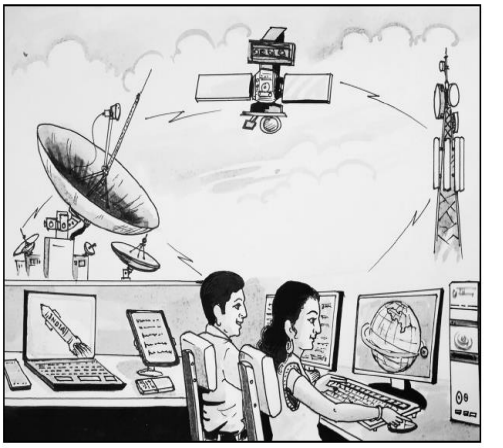

2

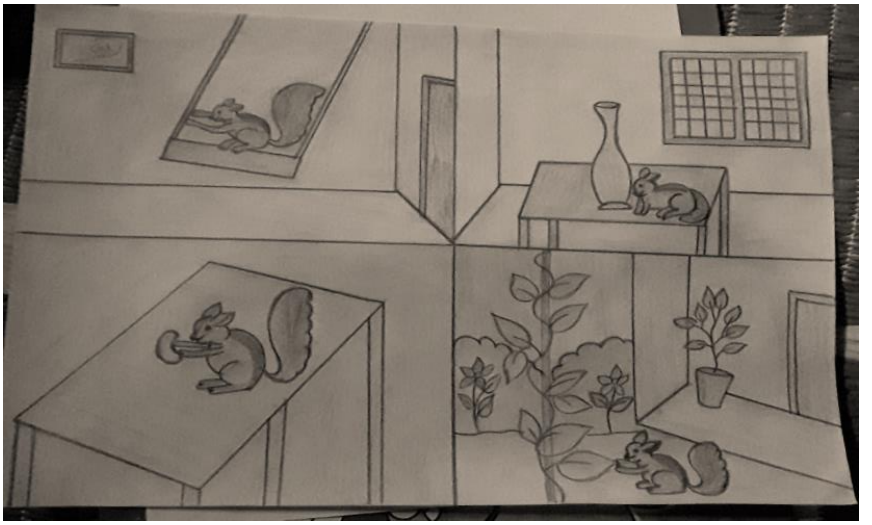

अभ्यास - 7

अपठित गद्यांश

अ. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखूँगा / गी :

सुंदरबन को मैंग्रोव जंगल के नाम से भी जाना जाता है । यह जंगल गंगा-ब्रह्मपुत्र के नदी के मुहाने पर बनी तिकोनी भूमि पर बसा हुआ है । यह लगभग दस हज़ार से अधिक वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस क्षेत्र के उच्च तापमान तथा यहाँ होनेवाली अत्यधिक वर्षा के कारण यहाँ विविध प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं । यहाँ सुंदरी नामक वृक्ष मुख्य रुप से पाए जाते हैं। इस वृक्ष के नाम पर ही इस वन को सुंदरबन कहा जाता है। सुंदरबन को रायल बंगाल टायगर का घर माना जाता है। यह वन वनस्पतियों, सरीसृपों, उभयचरों, पक्षियों, मछलियों तथा कीड़ों की लगभग छः सौ तिरवाने प्रजातियों का घर है। पर्यावरण परिवर्तन तथा निर्नवीकरण सुंदरबन की प्राकृतिक सुंदरता के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।

प्रश्न :

1. सुंदरबन कहाँ बसा हुआ है ?

उत्तर : ----------

2. सुंदरबन में विविध प्रकार की वनस्पतियाँ क्यों पाई जाती हैं ?

उत्तर : ----------

3. सुंदरबन का नाम कैसे पड़ा ?

उत्तर : ----------

4. सुंदरबन जंगलों में कौन-कौन सी प्रजातियाँ पाई जाती हैं ?

उत्तर : ----------

आ. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखूँगा/गी :

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने सन् 1951 में स्त्रियों एवं पुरुषों के कार्य का समान मूल्य तथा समान कार्य का समान वेतन का प्रस्ताव पारित किया । 26 दिसम्बर 1952 को महिलाओं के कल्याण के लिए कुछ जो नियम निर्धारित किए गए, जिनमें मतदान का अधिकार, निर्वाचित होने का अधिकार, सार्वजनिक पद ग्रहण करने का अधिकार, पुरुषों के समान ही उन्हीं शर्तों एवं अधिकारों पर सार्वजनिक कर्तव्य निर्वाह करने का अधिकार तथा सार्वजनिक सेवाओं में नियुक्त स्त्रियों के प्रति समस्त भेदभाव के अंत का संकल्प आदि हैं । यदि किसी व्यक्ति के साथ मानवाधिकारों के विपरीत कोई परिस्थिति उत्पन्न होती है तो वह सम्बंधित दर्शक न्याय प्रणाली से अपने अधिकार की सुरक्षा की माँग कर सकता है । यदि तमाम घरेलू निदानात्मक उपायों से न्याय नहीं मिल पाता है तो संयुक्त राष्ट्र संघ की निर्वाचित मानव अधिकार समिति को अपनी याचिका भेज सकता है ।

1. संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने क्या प्रस्ताव पारित किया ?

उत्तर :- ----------

2. महिलाओं के कल्याण के लिए नियम कब निर्धारित किए गए ?

उत्तर :- ----------

3. मानवाधिकारों के विपरीत परिस्थिति होने पर क्या किया जा सकता है?

उत्तर :- ----------

4. निर्वाचित मानव अधिकार समिति का क्या दायित्व है ?

उत्तर :- ----------

विद्यार्थी का स्व-मूल्यांकन

अ.क्र	अधिगम बिंदु	☺	😐	☹
1	कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कर सकता/ती हूँ।			
2	चित्र को देखकर वर्णन कर सकता/ती हूँ।			
3	अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिख सकता/ती हूँ ।			

शिक्षक की राय	उत्तम		साधारण		संतृप्ति	

अभ्यास-8

इकाई परीक्षण - 2

अ. निम्नलिखित अनुच्छेद का कन्नड/अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. वह रोबोटिक संघ से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है। संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है। अंततः समझौता इस बात पर होता है कि उस नौकर को घर में फिर से रख लिया जाएगा।

आ. निम्नलिखित चित्र देखकर अपने वाक्य लिखिए :

इ. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारतवर्ष अपनी चित्रकला, शिल्पकला और वास्तुकला के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है । आगरा में यमुना तट पर स्थित ताजमहल वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना है । अपने निर्माणकला के कारण ही यह विश्व के सात अजूबों में से एक है । सफेद संगमरमर से बने ताज की अनुपम सुंदरता को देखकर विदेशी पर्यटक दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं । ताजमहल का निर्माण बादशाह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज की याद में करवाया था । इसका निर्माण लगभग बीस हजार मजदूरों ने बीस वर्षों में किया था । ताजमहल के प्रवेश द्वार पर लाल पत्थर लगे हैं, जिन पर पवित्र कुरान की आयतें खुदी हुई हैं । ताज के गुंबज और मीनारें दूर से ही दिखाई देते हैं । ताजमहल संगमरमर के एक भव्य चबूतरे पर बना है । इसके चारों कोनों पर चार मीनारें हैं । अपनी सुंदरता और कारिगरी के कारण यह पूरे विश्व में प्रसिद्ध है ।

प्रश्न:

1. भारतवर्ष किस बात के लिए प्रसिद्ध है ?

उत्तर :- ----------

2. ताजमहल के प्रवेश द्वार की क्या विशेषता है ?

उत्तर :- ----------

3. ताजमहल का निर्माण किसने करवाया ?

उत्तर :- ----------

4. गद्यांश में से एक मुहावरा ढूँढ़कर लिखिए ?

उत्तर :- ----------

अभ्यास - 9

मुहावरे और कहावतें

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखूँगा / लिखूँगी :

1. मुहावरा किसे कहते है ? एक उदाहरण लिखिए ।

उत्तर :- _____

_____

2. कहावतें किसे कहते हैं ? एक उदाहरण लिखिए ।

उत्तर :- _____

_____

आ. निम्नलिखित वाक्यों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखूँगा/गी :

1. समय पड़ने पर मना करना : ----------

2. बहुत मेहनत करना : ----------

3. अत्यंत क्रोधित होना : ----------

4. सफल न होना : ----------

5. शोर करना : ----------

6. तैयार होना : ----------

7. धन्यवाद देना :----------

इ. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों को मुहावरों से पूरा करूँगा / गी :

1. कश्मीर के सेब लीजिए खाकर तबीयत ---------- ।

2. चेतक घोड़ा इतना तेज़ दौड़ता है कि वह ---------- ।

3. आजकल आप दिखाई नहीं देते, आप तो ! ---------- हो गए ।

ई.निम्नलिखित वाक्यों के लिए उपयुक्त कहावतें लिखूँगा/गी :

1. अपराधी स्वयं भयभीत रहता है ।----------

2. कम गुणोंवाला व्यक्ति अधिक दिखावा करता है । ----------

3. अधिक शोर मचानेवाले काम कम करते हैं । ----------

4. दुगुना लाभ ।----------

5. मुसीबत के समय थोड़ी भी सहायता बहुत होती है ।----------

6. बाहर से कुछ और अंदर से कुछ और ।----------

उ. निम्नलिखित रेखांकित मुहावरों में अशुद्धियाँ हैं उनका शुद्ध रूप लिखूँगा /गी :

1. वह बातें क्या कर रहा है मानो अंगारे निगल रहा है ।

उत्तर : ----------

2. दुकानदारों को तो अपना उल्लू टेड़ा करना है ।

उत्तर : ----------

3. तुम बहुत झूठे हो, तुम्हारी दाल न पकेगी ।

उत्तर : ----------

4. परीक्षा में केवल एक सप्ताह रह गया है, कमर बाँध लो ।

उत्तर : ----------

5. अध्यापक के कक्षा में न होने पर विद्यार्थियों ने आसमान सिर पर बिठा लिया ।

उत्तर : ----------

6. मेरा एक मित्र था,जो समय आने पर आस्तीन का नेवला निकला ।

उत्तर : ----------

ऊ. चित्र देखकर, उसके सामने उससे सम्बंधित मुहावरे और कहावतें लिखूँगा/गी :

क्र.सं	चित्र	कहावतें
1.		
2.	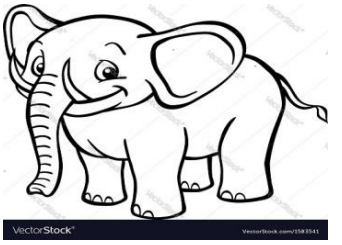	
3.	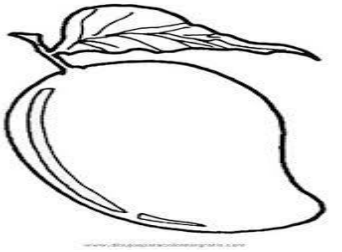	
4.		

क्र.सं	चित्र	मुहावरें
1	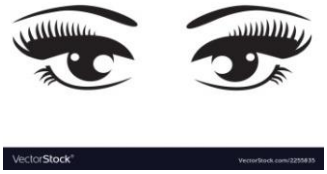	
2		
3		
4	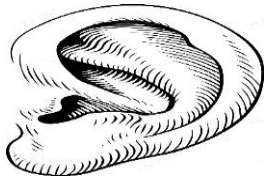	

अभ्यास-10

विराम चिह्न

अ. निम्नलिखित विरामचिह्नों के लिए उचित नाम लिखिए :

विराम चिह्न	विराम चिह्नों के नाम
,	
;	
।	
?	
!	
-	
“ ” ‘ ’	
( )	
:- :	

आ. जोड़कर लिखिए :

अ	आ	उत्तर
अर्धविराम चिह्न	,	
प्रश्नार्थक चिह्न	;	
योजक चिह्न	।	
कोष्टक चिह्न	?	
उद्धरण चिह्न	!	
विवरण चिह्न	“ ” ‘ ’	
पूर्णविराम चिह्न	-	
अल्पविराम चिह्न	( )	
भावसूचक / विस्मयादि बोधक चिह्न	:- :	

इ. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थानों को लिखूँगा/गी :-

(प्रश्नवाचक, पूर्णविराम, उद्धरण चिह्न, योजक चिह्न, अल्पविराम, आश्चर्यसूचक/ विस्मयादिबोधक चिह्न, विवरण चिह्न)

1. वाक्यों में थोड़ी देर के लिए रुकना या ठहरना, उसे----------चिह्न कहते हैं।
2. लेखन में जिनके द्वारा प्रश्न पूछने का आभास होता है, उसे---------- चिह्न कहते हैं।
3. वाक्य की पूर्णता प्रकट करने के लिए ----------चिह्न आते हैं।
4. हर्ष, विस्मय, भय आदि भाव प्रकट करने के लिए----------चिह्न उपयोग किया जाता है।
5. वाक्यों में दो या दो से अधिक शब्दों को जोड़ा जाता है, उसे----- चिह्न कहते हैं।
6. वाक्यों में किसी के कथन को ज्यों का त्यों बताया जाता है, उसे---- चिह्न कहते हैं।
7. किसी बात का उत्तर, विवरण या उदाहरण अगली पंक्ति में देना हो, उसे----- चिह्न कहते हैं।

ई. बहुविकल्पीय प्रश्न :

1. लिखित भाषा में रुकने का संकेत देनेवाले चिह्न को कहते हैं-

(अ) प्रश्नवाचक (आ) उद्धरण चिह्न (इ) विराम चिह्न (ई) अर्धविराम

2. जिस वाक्य में प्रश्न पूछा जाता है उसके अंत में प्रयुक्त चिह्न-

(अ) विस्मयादिबोधक चिह्न (आ) अर्धविराम चिह्न

(इ) अल्पविराम (ई) प्रश्नवाचक

3.किसी के कथन को उद्धृत करनेवाला चिह्न-

(अ) कोष्टकचिह्न (आ) योजकचिह्न

(इ) उद्धरणचिह्न (ई) प्रश्नवाचक

4.(:-) यह किसका चिह्न है?

(अ) अल्पविराम (आ) अर्धविरामचिह्न

(इ) विवरणचिह्न (ई) पूर्णविरामचिह्न

5. द्वंद्व समास और शब्द युग्मों के लिए प्रयुक्त चिह्न-

(अ) विवरण चिह्न (आ) योजक चिह्न

(इ) उद्धरण चिह्न (ई) कोई नहीं

(टिप्पणी: ' ^ ' (हंस चिह्न) इस चिह्न का प्रयोग वाक्य या शब्द में अक्षर या शब्द छूट जाए तो बीच में जोड़ने के लिए किया जाता है।

उ. निम्नलिखित सही वाक्यों पर (✓) का और गलत वाक्यों पर (×) का निशान लगाऊँगा/ गी :

1. वाक्य की समाप्ति पर विस्मयादि बोधक चिह्न लगता है।

   सही ( ) गलत ( )

2. किसी के कथन को प्रयुक्त करने के लिए उद्धरण चिह्न लगता है।

   सही ( ) गलत ( )

3. विस्मयादिबोधक शब्दों के साथ पूर्ण विराम चिह्न लगता है।

   सही ( ) गलत ( )

4. वाक्य में किसी शब्द के छूट जाने पर हंस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

   सही ( ) गलत ( )

5. वाक्यांशों के विषय में सूचना या निर्देश देने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

   सही ( ) गलत ( )

6. प्रश्नार्थक वाक्यों के अंत में अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

   सही ( ) गलत ( )

7. वाक्य में थोड़ी देर न रुकने के लिए अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

   सही ( ) गलत ( )

ऊ. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिह्नों का गलत प्रयोग हुआ है, उनके स्थान पर उचित चिह्नों का प्रयोग करूँगा/गी :

1.वाह, कितना सुंदर फूल ?

---

2. आप कहाँ से आ रहे हैं !

---

3. उपवन में फल, फूल सुंदर लग रहे हैं।

---

4. अध्यापक ने कहा कल से परीक्षा है,मन लगाकर पढ़ो।

---

5. सर्वनाम के भेद होते हैं-

---

6. (जय जय भारतमाता) मैथिलीशरणगुप्त जी की उत्कृष्ट कविता है।

ऋ. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके लिखूँगा/ गी :

सत्य बहुत भोला भाला बहुत ही सीधा सादा जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा बिना नमक मिर्च लगाए बोल दिया यही तो सत्य है कितना सरल सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है ज्ञान की प्रतिलिपि है आत्मा की वाणी है।

विद्यार्थी का स्व-मूल्यांकन

अ.क्र.	अधिगम बिंदु	☺	😐	☹
1.	मुहावरों का सही प्रयोग कर सकता/ती हूँ।			
2.	कहावतों का सही प्रयोग कर सकता/ती हूँ।			
3.	विराम चिह्नों को पहचान सकता/ ती हूँ।			

अध्यापक की राय	उत्तम		साधारण		संतृप्ति	

अभ्यास-11

इकाई परीक्षण - 3

I. निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्नों के नाम लिखिए :

1. सर ! इंटरनेट का मतलब क्या है ?

   _____

2. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

   _____

3. सर, मैंने - 'सोशल नेटवर्किंग'-शब्द कहीं पढ़ा था।

   _____

4. ईमान से मुझे कुछ लेना-देना नहीं हैं।

   _____

5. 'समय'- अधिक महत्वपूर्ण तथा उपयोगी होता है।

   _____

6. प्रगतिशील राष्ट्र ई-गवर्नेन्स (ई-प्रशासन) द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

   _____

7. रजत : ई-गवर्नेन्स क्या होता है, सर ?

   _____

II. नीचे दिए गए शीर्षकों के विराम चिह्न लिखिए :

1) अर्धविराम .....

2) प्रश्नसूचक .....

3) अल्पविराम .....

4) उद्धरण चिह्न.....

5) योजक चिह्न .....

6) विवरण चिह्न .....

7) विस्मयादिसूचक.....

8) पूर्ण विराम .....

III. निम्नलिखित वाक्यों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए :

1. प्रभात होना :----------

2. इस्तेमाल होना :----------

3. वास्तविकता का ज्ञान होना :----------

4. आशंका या खतरा होने पर चौकन्ना होना :----------

5. प्रतिज्ञापालक या वायदे का पक्का :----------

Iv. निम्नलिखित वाक्यों के लिए उपयुक्त कहावतें लिखिए :

1. मूर्ख गुणों का महत्व नहीं समझता :----------

2. गरीब का भगवान ही भरोसा होता है :----------

3. गुरु से चेले का बढ़ जाना :----------

4. करना कुछ, कहना कुछ /द्विरंगी चाल :----------

5. परिस्थिति के अनुसार बदलना :----------

अभ्यास-12

निबंध लेखन

निबंध एक ऐसी गद्य रचना है जिसमें किसी भी विषय पर समुचित जानकारी दी जाती है ।

किसी भी विषय पर अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से लिखना निबंध कहलाता है।

विषय और अभिव्यक्ति की दृष्टि से निबंध के चार भेद होते हैं ।
1. वर्णनात्मक निबंध
2. विवरणात्मक निबंध
3. विचारात्मक निबंध
4. भावनात्मक निबंध

निबंध के अंग

निबंध के तीन प्रमुख अंग होते हैं।
1. **<u>विषय प्रवेश :</u>** निबंध के विषय-प्रवेश में विषय के संबंध में परिचय इस प्रकार दिया जाएँ ताकि पढ़नेवाले पूरे निबंध पढ़ने के लिए उत्सुक हो जाएँ।
2. **<u>विषय विस्तार :</u>** विषय के संबंध में तीन-चार अनुच्छेदों में जानकारी दी जाएँ । यदि विषय से संबंधित विचार अधिक है तो और एक दो अनुच्छेद बढ़ा सकते हैं ।
3. **<u>उपसंहार:</u>** इसका एक अनुच्छेद होता है । विषय विस्तार में लिखित अनुच्छेदों का सार यहाँ लिखा जाता है।

अ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखकर एक ओर सभी उत्तरों को इकट्ठा करके लिखूँगा/गी ।

1. इंटरनेट का मतलब क्या है ?

_____

_____

_____

_____

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या-क्या मदद मिलती हैं ?

_____

_____

_____

_____

_____

3. ई गवर्नेंस क्या है ?

_____

_____

_____

_____

_____

4. वीडियो-कॉन्फरेन्स के बारे में लिखिए ।

_____

_____

_____

_____

_____

5. इंटरनेट एक वरदान है । कैसे ?

_____

_____

_____

_____

_____

6. इंटरनेट अभिशाप भी है । कैसे ?

_____

_____

_____

_____

_____

इंटरनेट :

आ.चित्र देखकर इसके संबंध में एक अनुच्छेद लिखूँगा/गी :

इ. दिए गए संकेत बिंदुओं को ध्यान में रखकर किसी एक विषय पर 12 से 15 वाक्यों में निबंध लिखूँगा/गी :

1. बेरोज़गारी

1. विषय प्रवेश : 2. विषय विस्तार : अ) कारण :

आ) उपाय / निवारण : 3. उपसंहार :

2. नागरिक के कर्तव्य:

1. विषय प्रवेश

2. विषय विस्तार : अ) नागरिक समाज और राष्ट्र : आ) नागरिक के कर्तव्य 3. उपसंहार :

3. पर्यटन का महत्व

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार :

अ) पर्यटन एक उद्योग आ) पर्यटन से लाभ 3. उपसंहार

4. जनसंख्या की समस्या :

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. उपसंहार

अभ्यास-13

पत्र-लेखन

पत्र लेखन के दो भेद होते हैं :

अ. पढ़ूँगा/गी और समझूँगा/गी :

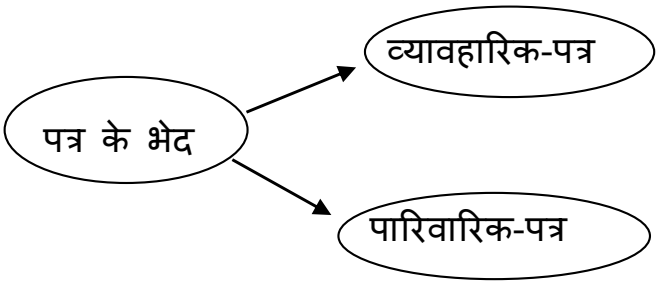

आ. पत्र लिखते समय उपयुक्त संबोधनों और अभिवादनों को लिखूँगा /गी :

	संबोधन	अभिवादन
1. पिताजी को	_____	_____
2. गुरुजी को	_____	_____
3. माताजी को	_____	_____
4. प्राचार्यजी को	_____	_____
5. दादाजी को	_____	_____
6. अपरिचितों को	_____	_____
7. साथी/सहेली/ बराबरवालों को	_____	_____

इ. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए चार-चार उत्तर दिए गए हैं, उनमें से सही उत्तर चुनकर लिखूँगा / गी :

1. ताऊजी को पत्र लिखते समय संबोधन करते हैं : _____

अ) पिताश्री आ) पूज्य पिताजी इ) पूज्य पिता समान ई) प्रिय पिताजी

2. चाचीजी को पत्र लिखते समय संबोधन करते हैं_____

अ) पूज्य माता जी आ) मातृश्री इ) मातृश्री समान ई) सप्रेम नमस्ते

3. मित्र को पत्र लिखते समय अभिवादन करते हैं : _____

अ) तुम्हारा अभिन्न मित्र आ) तुम्हारा शुभचिंतक

इ) आपका प्रिय पुत्र ई) आपका आज्ञाकारक

4. बड़ों के लिए अभिवादन करते हैं : _____

अ) सप्रेम नमस्ते आ) चरण स्पर्श इ) शुभ आशीर्वाद ई) प्रसन्न हो

5. गुरुजन के लिए पत्र लिखते समय अभिवादन करते हैं :_____

अ) तुम्हारा सदैव आ) आपका आज्ञाकारी इ) भवदीय ई) शुभचिंतक

6. छोटे भाई को अभिवादन करते हैं :_____

अ) चरण स्पर्श आ) नमस्कार इ) चिरंजीव रहो ई) प्रिय मित्र

7. कार्यालय को पत्र लिखते समय अभिवादन करते हैं :_____

अ) सादर प्रणाम आ) आशीर्वाद इ) प्रसन्न रहो ई) हितैषी

ई. अनुक्रम से छुट्टी पत्र लिखूँगा/गी :

1) **सेवा में,**

कक्षा अध्यापक

माध्यमिक विद्यालय

कोलार,

सधन्यवाद !

स्थान: कोलार दिनांक :09:07:2020

उपर्युक्त विषय के संबंध में मेरे गाँव / मोहल्ले में मेला है । अतः दिनांक : 10 . 07 .2020 से 12 .07 . 2020 तक तीन दिन विद्यालय आने में असमर्थ हूँ | इसलिए छुट्टी देने की कृपा करें ।

विषय : छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र ।

आपका छात्र / आपकी छात्रा

अ.ब.क.

प्रेषक

अ.ब.क.

दसवीं कक्षा

माध्यमिक विद्यालय

कोलार

2)

प्रेषक

राजू एस / रम्या एस
दसवीं कक्षा
आदर्श विद्यालय छात्रावास
मैसूर

सादर प्रणाम

दिनांक : 05 : 09 : 2019

स्थान : मैसूर

आपका प्रिय पुत्र / आपकी प्रिया पुत्री

राजू एस / रम्या एस

मैं यहाँ कुशल हूँ | आप भी वहाँ कुशल समझता/ती हूँ | मैं अच्छी तरह पढ़ रहा / रही हूँ | मुझे पहली संकलनात्मक परीक्षा में अच्छे अंक मिले हैं |

अगले महीने हमारे विद्यालय से प्रवास जा रहे हैं । मेरे सहपाठी भी प्रवास जाने के लिए तैयार हैं | मैं भी प्रवास जाना चाहता / चाहती हूँ।

कृपया आप 2000 रुपये भेजने का कष्ट करें |

पूज्य पिताजी !

सेवा में,
सोमशेखर
घर का नंबर 240
मंगलूर 570 0 29

छुट्टी पत्र

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

पिता / माता / भाई / बहन को पत्र

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

विद्यार्थी का स्व-मूल्यांकन

क्र.सं.	अधिगम बिंदु	☺	😐	☹
1	विविध विषयों पर निबंध लिख सकता/ती हूँ।			
2	विविध प्रकार के पत्र भेदों को पहचान सकता/ती हूँ ।			
3	व्यवहारिक और व्यक्तिगत पत्र लिख सकता/ती हूँ ।			

शिक्षक की राय	उत्तम		साधारण		संतृप्ति	

अभ्यास-14

इकाई परीक्षण-4

1. जोड़कर लिखिए:

'अ' भाग	'ब' भाग	उत्तर
1. पत्र भेजने वाला	छः होते हैं	----------
2. निबंध के भेद	प्रेषक	----------
3. पत्र के अंग	चार होते हैं	----------
4. पत्र पाने वाला	आदरणीय गुरुजी !	----------
5. गुरु जी को संबोधन करते हैं	तीन होते हैं	----------
6. निबंध के अंग	सेवा में	----------

2. कोई कारण देते हुए चार दिन की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम पर छुट्टी पत्र लिखिए ।

3. अपनी पढ़ाई की प्रगति के बारे में बताते हुए पिताजी के नाम पत्र लिखिए ।

4. दिए गए संकेत बिंदुओं को ध्यान में रखकर किसी एक विषय पर 12 से 15 वाक्यों में निबंध लिखूँगा/गी :

1. महँगाई:

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. उपसंहार

2. योग दिवस :

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. उपसंहार

3. किसान दिवस :

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. उपसंहार

4. कोविड 19 :

1. विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. उपसंहार

1987 (23वाँ)– विष्णु वामन शिरवाडकर कुसुमाग्रज (मराठी)

1988 (24वाँ)– डॉ. सी नारायण रेड्डी (तेलुगु)

1989 (25वाँ)– कुर्तुल एन. हैदर (उर्दू)

1990 (26वाँ)– वी.के.गोकक (कन्नड़)

1991 (27वाँ)– सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)

1992 (28वाँ)– नरेश मेहता (हिन्दी)

1993 (29वाँ)– सीताकांत महापात्र (ओड़िया)

1994 (30वाँ)– यू.आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

1995 (31वाँ)– एम.टी. वासुदेव नायर (मलयालम)

1996 (32वाँ)– महाश्वेता देवी (बांग्ला)

1997 (33वाँ)– अली सरदार जाफरी (उर्दू)

1998 (34वाँ)– गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

1999 (35वाँ)– (1) निर्मल वर्मा (हिन्दी) एवं (2) गुरदयाल सिंह (पंजाबी)

2000 (36वाँ)– इंदिरा गोस्वामी (असमिया)

2001 (37वाँ)– राजेन्द्र केशवलाल शाह (गुजराती)

2002 (38वाँ)– दण्डपाणी जयकान्तन (तमिल)

2003 (39वाँ)– विंदा करंदीकर (मराठी)

2004 (40वाँ)– रहमान राही (कश्मीरी)

2005 (41वाँ)– कुँवर नारायण (हिन्दी)

2006 (42वाँ)– (1) रवीन्द्र केलकर (कोंकणी) एवं (2) सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)

2007 (43वाँ)– ओ.एन.वी. कुरुप (मलयालम)

2008 (44वाँ)– अखलाक मुहम्मद खान शहरयार (उर्दू)

2009 (45वाँ)– अमरकान्त व श्रीलाल शुक्ल (हिन्दी)

2010 (46वाँ)– चन्द्रशेखर कम्बार (कन्नड)

2011 (47वाँ)– प्रतिभा राय (ओड़िया)

2012 (48वाँ)– रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)

2013 (49वाँ)– केदारनाथ सिंह (दोनों हिन्दी)

2014 (50वाँ)– भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी)

2015 (51वाँ)– रघुवीर चौधरी (गुजराती)

2016 (52वाँ)– शंख घोष (बांग्ला)

2017 (53वाँ)– कृष्णा सोबती (हिन्दी)

2018 (54वाँ)– अमिताव घोष (अंग्रेजी)

2019 (55वाँ)– अक्कितम अच्युतन नंबूदरी (मलयालम)

सुमन